Scanned with OKEN Scanner

।।श्री:।।

विलुप्त होते हुए

बुन्देली लोक - गीत

संकलन एवं सम्पादन

उत्तमचन्द्र बंसल एम. ए., एल-एल. बी.

हरदा (जिला-होशंगाबाद)

प्रकाशक

प्रकाशक-मण्डल, देवरीकलाँ

(जिला-सागर)

प्रथम बार 1995 मूल्य- 125.00

Scanned with OKEN Scanner

अनुक्रमणिका

		पृष्ठ
अध्याय प्रथम	भक्तिपरक लोकगीत	
1-	रामकाव्य-परंपरा एवं हनुमानजी से सम्बद्ध लोकगीत	1
2-	कृष्णकाव्य परम्परा से सम्बद्ध लोकगीत	47
3-	कबीरपंथी विचारधारा से संबंधित लोकगीत	66
4-	भक्तों एवं पुंवारों से सम्बद्ध लोकगीत	93
5-	सुमरनी, आरती, मंगल, बसंत, जिंकडी, हरदौल-यशोगान, प्रभाती एवं विविध विषयक भक्ति भजन से सम्बद्ध लोकगीत	109
अध्याय द्वितीय	संस्कारपरक लोक-गीत	155
1-	जन्म-संस्कार से सम्बद्ध लोकगीत सोहरे, बधाव, लोरी	156
2-	विवाह संस्कार से सम्बद्ध लोकगीत बनरा-बनरी, गारी, भाँवर, बिदाई, दादरे	161
अध्याय तृतीय	नृत्य-परक लोक-गीत	180
1-	कलापरक नृत्य-लोक-गीत सैरे-राछरे-करखे, राई-ख्याल, लावनी, दिवारी, फाँगें, फुँदरिया	181
2-	जातिपरक नृत्य लोकगीत	
	भोई जाति के गीत- सैताम	228
	ढीमर जाति के गीत- ढीमरयाई	232
	वसुदेवा जाति के गीत- वसुदेवा गीत	236
	अहीर जाति के गीत- कारस देव की गोटें	242
अध्याय चतुर्थ	श्रम परक लोकगीत	243
1-	[illegible] लोकगीत- बिलवारी	
2-	[illegible] लोकगीत- बंबुलिया-ददरिया	245
अध्याय पंचम	प्रबन्ध-परक लोकगीत परसा	252
अध्याय षष्ठ	अन्य, परक लोकगीत	291
1-	ऋतुपरक लोकगीत- बारहमासा	292
2-	[illegible] लोकगीत- [illegible]	296
3-	मनोरंजनपरक लोकगीत- स्वांग, विविध	298
4-	सामान्य ज्ञानपरक लोकगीत- कहावतें, अटका, कोउक	312
परिशिष्ट		
1-	शब्दार्थ	317
2-	प्रबन्धपरक लोकगीत परसा से सम्बद्ध प्रामाणिक फोटो (चित्र)	327

Scanned with OKEN Scanner

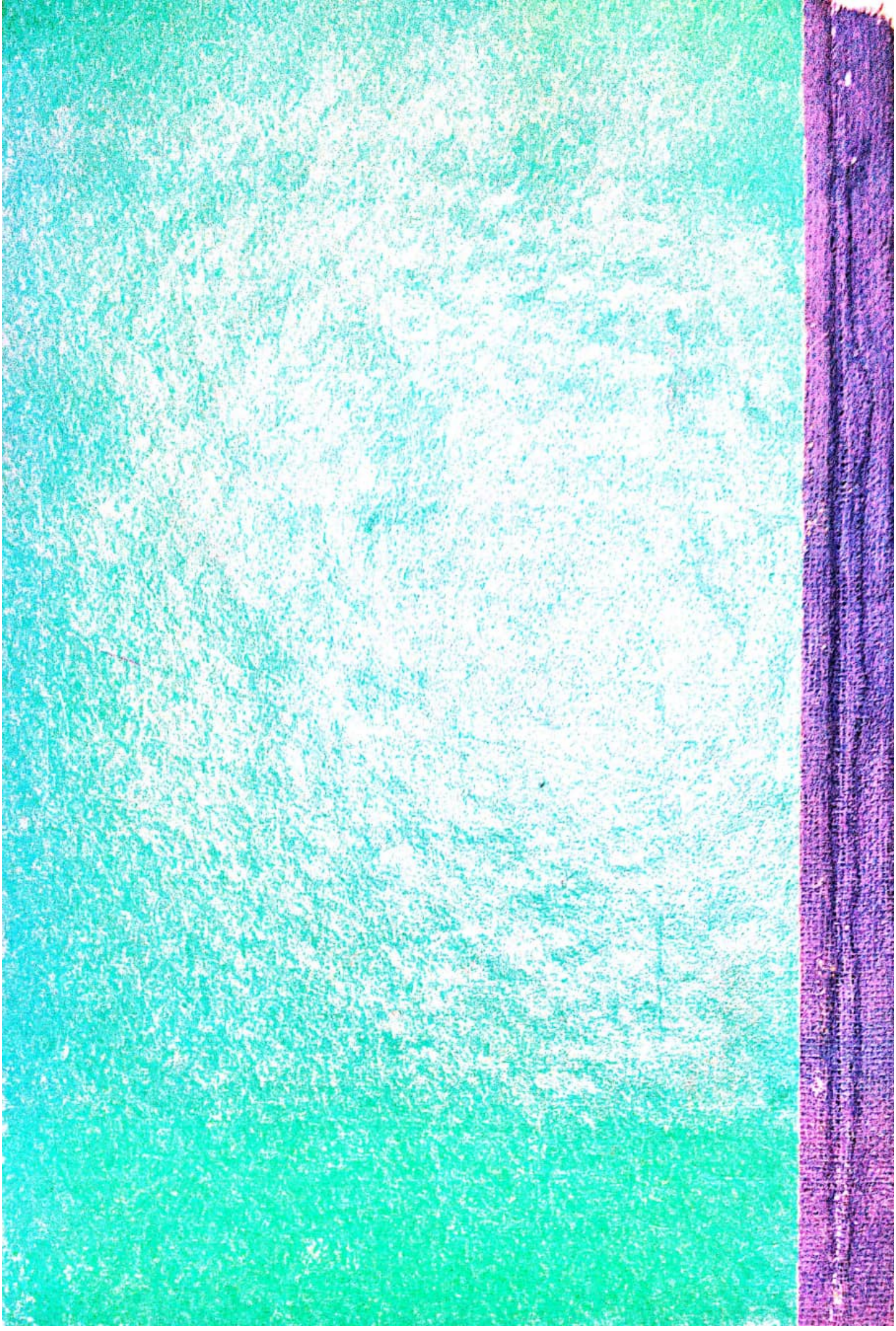

Scanned with OKEN Scanner